अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

नाम ....

901

801 (AA)

2022

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : *1*

(i) 'मैला आँचल' राहुल सांकृत्यायन की काव्य-कृति है ।

(ii) मुंशी प्रेमचन्द का 'गोदान' प्रसिद्ध उपन्यास है ।

(iii) 'गुनाहों का देवता' बाबू गुलाब राय की रचना है ।

(iv) सुमित्रानन्दन पंत प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं ।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : *1*

(i) प्रतिशोध

(ii) भूले-बिसरे चित्र

(iii) आवारा मसीहा

(iv) ठूँठा आम

(ग) 'लहरों का राजहंस' किस विधा पर आधारित रचना है ? *1*

(घ) 'जय-पराजय' रचना के लेखक का नाम लिखिए । *1*

(ङ) राजेन्द्र यादव की 'प्रतीक्षा' किस विधा पर आधारित रचना है ? *1*

2. (क) रीतिकाल के प्रमुख दो कवियों का नाम लिखकर उनकी एक-एक रचना के नाम लिखिए । *2*

(ख) छायावादी युग की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । *2*

(ग) 'खुशबू के शिलालेख' किस युग की रचना है ? *1*

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी *एक* के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=6

(क) 'उच्च और महान् कार्यों में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ ।' यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़-चित्त और सत्य संकल्प का हो । इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो । हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था । मित्र हो तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) हमें किस प्रकार के मित्र को महत्त्व देना चाहिए ?

(ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों अद्भुत और अतुल शक्ति दे रहा है । उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता रहेगा । इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ रखना होगा, जो उस अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-वासना को दबाए रखें । नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती । वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है । वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उसके उपयोग को नियंत्रित भी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) विज्ञान का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है ?

4\. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी *एक* की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+4+1=6*

(क) मानुष हौं तो वही रसखान, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन ।।
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो धर्यो कर छत्र पुरंदर-धारन ।।
जो खग हौं तो बसेरो करौं, मिलि कालिन्दी-कूल कदंब की डारन ।।

(ख) विषुवत् रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ-हाँफ कर ।
रखता है अनुराग अलौकिक,
यह भी अपनी मातृभूमि पर ।।
ध्रुव-वासी, जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप-काँप कर ।
वह भी अपनी मातृभूमि पर
कर देता है प्राण निछावर ।।

5\. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी *एक* लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी *एक* रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) राजेन्द्र प्रसाद

(iii) भगवत शरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी *एक* कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी *एक* रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सुमित्रानन्दन पंत

(iv) सुभद्रा कुमारी चौहान

6\. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *1+3=4*

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते । मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति । अत्र दुराग्रह नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति । एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानव-जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, यद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम् आचारे दृढ़ता चेति ।

अथवा

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः ।
आतुरस्य भिषक् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः ।

7\. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : *1+1=2*

(i) चन्द्रशेखर स्वनाम किम् अकथयत् ?

(ii) कुत्र मरणं मंगलं भवति ?

(iii) भूमेः गुरुतरा किम् अस्ति ?

(iv) वीरः केन पूज्यते ?

8. (क) करुण **अथवा** हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। *2*

(ख) रूपक **अथवा** उपमा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। *2*

(ग) रोला **अथवा** सोरठा छन्द की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। *2*

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं ***तीन*** के मेल से एक-एक शब्द लिखिए : *1+1+1=3*

(i) अन

(ii) अनु

(iii) अभि

(iv) परि

(v) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : *1+1=2*

(i) त्व

(ii) वा

(iii) वट

(iv) आई

(v) पन

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के समास-विग्रह कीजिए : *1+1=2*

(i) दोपहर

(ii) चौराहा

(iii) त्रिकोण

(iv) देश-विदेश

(v) खरा-खोटा

(vi) माता-पिता

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : *1+1=2*

(i) कुआँ

(ii) छाया

(iii) पाहन

(iv) सिंगार

(v) लौंग

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : *1+1=2*

(i) कमल

(ii) क्रोध

(iii) दिन

(iv) नदी

(v) पक्षी

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : *1+1=2*

(i) मनु + अन्तर

(ii) आदि + अन्त

(iii) इति + उक्त्वा

(iv) पितृ + आकृति

(ख) निम्नलिखित शब्दों के पंचमी विभक्ति द्विवचन का रूप लिखिए : *1+1=2*

(i) मति **अथवा** नदी

(ii) फल **अथवा** मधु

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : *1+1=2*

(i) अहसाव

(ii) पठिष्यामि

(iii) हसेयुः

(iv) अपठत्

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : *1+1=2*

(i) हमें अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए ।

(ii) विनय मनुष्य का आभूषण है ।

(iii) भारतीय संस्कृति उदार और गतिशील है ।

(iv) सदाचार की रक्षा करनी चाहिए ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : https://www.upboardonline.com *6*

(i) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ii) वृक्षारोपण

(iii) प्रदूषण की समस्या और समाधान

(iv) राष्ट्रप्रेम की भावना

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर दीजिए : *3*

(क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) (i) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ङ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए ।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।